BA Part II (H)

Paper IV

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

प्रश्नावली के दोष = (Demerits of Questionnaire) => प्रश्नावली के कई दोष भी हैं जो इस प्रकार है—

1) अशिक्षित व्यक्तियों के लिए अनुपयुक्त => प्रश्नावली प्रविधि द्वारा केवल शिक्षित व्यक्तियों से ही तथ्यों का संकलन किया जा सकता है। अशिक्षित अथवा कम शिक्षित व्यक्ति न तो प्रश्नों को पढ़कर उन्हें समझ सकते हैं और न ही लिखित रूप से उनका समुचित उत्तर दे सकते हैं।

2) उत्तर प्राप्त करने की समस्या => डाक द्वारा प्रेषित प्रश्नावली का एक मुख्य दोष यह है कि इसके द्वारा प्राप्त उत्तरों का प्रतिशत साधारणतया बहुत कम होता है। प्रेषणा सम्बन्धी दोष, प्रश्नावली का बड़ा आकार, निर्देशों की अपूर्णता तथा स्वयं उत्तरदाताओं की उदासीनता आदि वे प्रमुख दशाएं हैं जिनके फलस्वरूप अध्ययनकर्ता बहुत कम सूचनाएं प्राप्त कर पाता है।

3) अपूर्ण तथा गलत सूचनाओं की सम्भावना => जिन देशों में प्रश्नावली के द्वारा विभिन्न प्रकार के अध्ययनों का अधिक प्रचलन नहीं है, वहां उत्तरदाताओं में इसके प्रति बहुत अधिक उदासीनता पायी जाती है इस प्रविधि के अन्तर्गत न तो किसी प्रश्न की पुनरावृत्ति की जाती है और न ही प्रश्न का स्पष्टीकरण करना सम्भव हो पाता है।

4) व्यक्तिगत सम्पर्क का अभाव => इसमें अध्ययनकर्ता और सूचनादाता के बीच कोई प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित नहीं होता। इसके फलस्वरूप अध्ययनकर्ता को किसी विशेष प्रश्न के उत्तर के लिए उत्तरदाता को तैयार करने अथवा विषय के प्रति अपनी रुचि दर्शाने का कोई अवसर नहीं मिलता।

5) अस्पष्ट लेख = साधारणतया प्रश्नावली के द्वारा उत्तरदाताओं से जो लिखित सूचनाएं प्राप्त होती हैं, उनकी लिखावट इतनी दोषपूर्ण होती है कि कभी कभी महत्वपूर्ण तथ्यों को पढ़ सकना भी कठिन हो जाता है।

6) गहन अध्ययन में अनुपयुक्त - प्रश्नावली प्रविधि द्वारा अत्यन्त साधारण समस्याओं के अध्ययन के लिए ही सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं। यदि किसी गहन समस्या का कुछ समय तक लगातार अध्ययन करने की आवश्यकता हो तो यह प्रणाली अनुपयुक्त सिद्ध होगी।

7) सर्वभौमिक प्रश्नों का निर्माण असम्भव => ऐसे किसी भी प्रश्नावली का निर्माण करना सम्भव नहीं है जिनमें दिये गये प्रश्नों का सभी उत्तरदाताओं के लिए समान महत्व हो अथवा सभी उत्तरदाता एक प्रश्न का समान अर्थ ही समझ सके।

8) उत्तरदाताओं की भ्रान्तियों से उत्पन्न समस्याएं => प्रश्नावली स्वयं ही एक ऐसी प्रविधि है जो उत्तरदाताओं में अनेक प्रकार की भ्रान्तियां उत्पन्न कर देती है।